चित्रपट झारखण्ड नए फिल्म निर्माताओं की तलाश में एक सार्थक पहल

हमारा लक्ष्य नए और सार्थक फिल्म निर्माताओं का एक प्रभावशाली समूह तैंयार करना हैं, जो समाज के प्रति जिम्मेदार हो और सार्थक सिनेमा का निर्माण करें।

आज के समय में सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया हैं, बल्कि यह समाज को दिशा देने, सोच बदलने और वास्तविकताओं को उजागर करने का एक सशक्त साधन बन चुका हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए चित्रपट झारखंड नये और संवेदनशील फिल्म निर्माताओं की खोज में लगा हैं।ऐसे रचनाकार जो भविष्य में भारतीय समाज के अनुरूप सार्थक और प्रभावशाली फिल्में बना सकें।

चित्रपट झारखण्ड का उद्देश्य फिल्म बनाना नहीं हैं, बल्कि युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी तैंयार करना हैं जो समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों को समझे और सिनेमा के माध्यम से उन्हें जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करे। आज जब बाजारवादी सिनेमा का प्रभाव बढ़ रहा हैं, तब ऐसी पहलें बेहद जरूरी हो जाती हैं जो सिनेमा को उसके मूल उद्देश्य समाज का दर्पण बनाए रखें।

यह संस्था युवाओं को फिल्म निर्माण की बारीकियों से परिचित कराने के लिए कार्यशालाऐं, सेमिनार, और फिल्म फेस्टिवल का आयोजन करती हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों और उभरते कलाकारों को न केवल तकनीकी ज्ञान मिलता हैं, बल्कि उन्हें यह भी समझाया जाता हैं कि एक फिल्म समाज पर कितना गहरा प्रभाव डाल सकती हैं।

चित्रपट झारखंड उन युवाओं को मंच देना चाहता हैं जो अपने विचारों को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं, लेकिन संसाधनों या मार्गदर्शन की कमी के कारण पीछे रह जाते हैं। यह पहल उन्हें एक अवसर देती हैं अपनी कहानी कहने का, अपनी सोच को दुनिया तक पहुंचाने का।

भारतीय समाज विविधताओं से भरा हुआ हैं यहां संस्कृति, परंपराएं, संघर्ष और परिवर्तन की अनगिनत कहानियां हैं। इन कहानियों को सही दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करने के लिए ऐसे फिल्म निर्माताओं की आवश्यकता हैं जो संवेदनशील हों, जिम्मेदार हों और समाज के प्रति अपने कर्तव्य को समझते हों। चित्रपट झारखंड इसी सोच के साथ आगे बढ़ रहा हैं।

अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि चित्रपट झारखंड केवल फिल्म निर्माण कार्यशाला की संस्था नहीं, बल्कि एक आंदोलन हैं एक ऐसा आंदोलन जो सिनेमा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सपना देखता हैं। यदि इस पहल को सही दिशा और सहयोग मिलता हैं, तो आने वाले समय में यह भारतीय सिनेमा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता हैं।

"सिनेमा बदलेगा, तो समाज भी बदलेगा और यही हैं चित्रपट झारखंड का लक्ष्य।"

''सार्थक सिनेमा से समृद्ध संस्कृति''